

बाल दिवस

बाल दिवस भारत में प्रत्येक वर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। यह उमंग और उल्लास का अवसर है, परंतु बाल दिवस का महत्व केवल उत्साह और उमंग तक ही सीमित नहीं है। यह विशेष दिवस बच्चों के अधिकारों, उनकी देख-रेख और शिक्षा के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्मरण करवाने का भी अवसर है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर को हुआ था। पंडित नेहरू एक प्रख्यात राजनीतिज्ञ तो थे ही, उन्हें बच्चों से भी अत्यंत स्नेह था। उनका विश्वास था कि बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं और उनकी देख-रेख पूरे ध्यान से की जानी चाहिए। बच्चों द्वारा स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू के रूप में याद किए जाने वाले पंडित नेहरू ने बच्चों को प्यार एवं स्नेह देने की अहमियत को रेखांकित किया। पंडित नेहरू ने बच्चों में भारत के उज्ज्वल भविष्य का प्रतिबिंब देखा।

बच्चे वास्तव में किसी भी देश की प्रमुख पूंजी होते हैं। बाल विकास का महत्व भौतिक संसाधनों के विकास के बराबर ही है और राष्ट्रीय स्तर पर मानव संसाधन विकास की सर्वश्रेष्ठ विधि बच्चों की देख-रेख करना है। भारत में विश्व की विशालतम बाल आबादी है और बच्चों के विकास एवं कल्याण का महत्व देश के लिए सर्वोपरि है। यह सुनिश्चित किए जाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं कि बच्चों की मौलिक जरूरतों और उनके अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जाए। बच्चों, विशेषकर बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा की दिशा में बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

बाल दिवस का यह अवसर भारत भर में अत्यंत उत्साह, उमंग और जोश के साथ मनाया जाता है। छात्र-छात्राओं को विभिन्न कार्यकलापों जैसे गायन, नृत्य, कथा वाचन, भाषण, चित्रकला, शिल्प, सांस्कृतिक आयोजनों तथा खेल-कूद

प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस खास अवसर पर देशभर में बच्चों को बचपन की आजादी का जश्न मनाने का मौका मिलता है। इस दिन, कई गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) निर्धन व वंचित वर्ग के बच्चों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित करते हैं। आजकल टीवी और रेडियो पर भी बच्चों के लिए खास कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। बाल दिवस ऐसा अवसर है, जब यह अपेक्षा की जाती है कि हम सभी थोड़ा समय निकालकर अपना ध्यान बच्चों पर केन्द्रित करें, जोकि हमारे देश का भविष्य हैं।

डाक विभाग ने इस वर्ष बाल दिवस के अवसर पर जारी किए जाने वाले डाक-टिकट का डिजाइन तैयार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी डाक-टिकट डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता का विषय रखा गया था - 'बरसात में भीगा एक दिन'। इस अवसर पर जारी किए जाने के लिए दो डाक-टिकटों का सेट और एक मिनियेचर शीट का डिजाइन तैयार किया गया। इस प्रतियोगिता हेतु निर्धारित तिथि तक देशभर से 38,200 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। डाक-टिकटों और मिनियेचर शीट का डिजाइन यामिनी के., किमाया गुप्ता और रोहित गुप्ता द्वारा भेजी गई पुरस्कृत प्रविष्टियों पर आधारित है। प्रथम दिवस आवरण का डिजाइन वी. हेमचन्द्रन द्वारा बनाई गई पेंटिंग पर आधारित है और इस अवसर पर जारी सूचना विवरणिका का डिजाइन बिनिता विश्वजीता द्वारा बनाई गई पेंटिंग पर आधारित है।

आभार :-

मूलपाठ : इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
डाक-टिकट / मिनिचेयर शीट / : शंखा सांमत द्वारा
प्रथम दिवस आवरण प्रतिभागियों की चित्रकलाओं पर आधारित
विरूपण : अलका शर्मा



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	2500 पैसा, 500 पैसा
Denomination	:	2500p, 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	6.00 लाख प्रत्येक
Stamps Printed	:	0.6 Million each
मिनिएचर शीट	:	2.0 लाख
Miniature Sheet	:	0.2 Million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

CHILDREN'S DAY

Children's Day also known as Bal Diwas, is celebrated every year in India on 14th of November and is a day to engage in fun and frolic. But it is not just that. This day is celebrated to increase the awareness of people towards the rights, care and education of children and to remind us all to renew our commitment towards the welfare of the children.

India's first Prime Minister, Pandit Jawaharlal Nehru, was born on November 14. Apart from being known for his skills as a statesman, Nehru was also immensely fond of children. He believed that children were the future of a Nation and they needed utmost care. Fondly referred to as Chacha Nehru by children, he emphasized the importance of giving love and affection to children, whom he saw as the bright future of India.

Children constitute principle assets of a country. Children's Development is as important as the development of material resources and the best way to develop national human resources is to take care of children. India has the largest child population in the world and the development and welfare of children is of prime importance to the country. Continuous efforts are on to ensure that the highest priority to the basic needs and rights of all children is accorded. A lot needs to be done for the health, nutrition and education of children, particularly for the girl child.

The occasion is celebrated throughout India with immense fun, fervor and enthusiasm. Students are encouraged to participate in various

activities, such as singing, dancing, story- telling, elocutions, painting, art and crafts, cultural events, sports events for children, and so on. It gives all the children of India the occasion to enjoy the freedom of childhood. Many Non-Governmental Organizations (NGOs) also organize programs for the poor and deprived children. These days, a number of special programs are aired on the television and radio for kids. It is a Day to take some time out and focus our attention on Children who are the future of this nation.

The Department of Posts organized a nationwide stamp design Competition on the theme "A Day in the Rains" to design the stamps to be released on the occasion of Children's Day this year. A set of two stamps and a Miniature sheet were designed for release on this occasion. 38,200 entries were received from all over the country, by the scheduled date for sending in of these entries. The designs on the stamps and Miniature sheet are based on the Prize-winning entries submitted by Yamini K, Kimaya Gupta & Rohit Gupta. The design on the First Day Cover is based on the painting submitted by V. Hemachandran and the painting submitted by Binita Biswajeeta is used as the design on the Brochure brought out on the occasion.

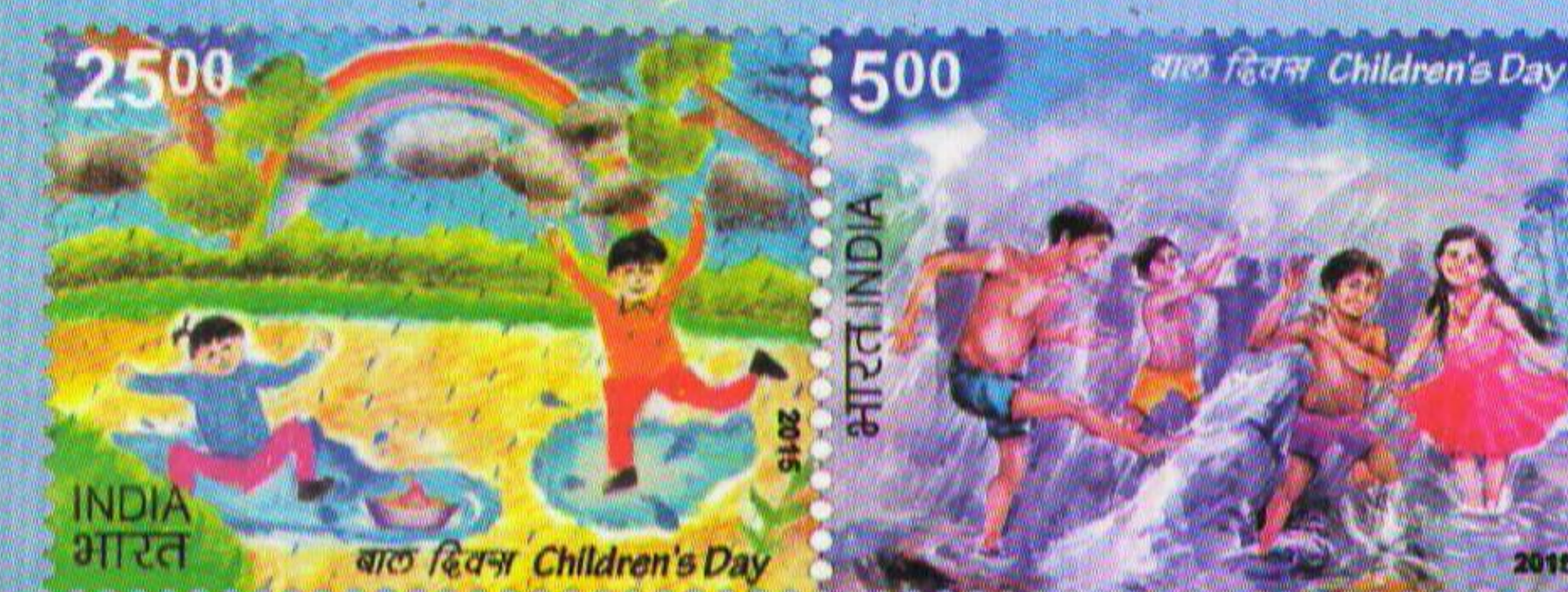
Credits:-

Text	: Based on the material available on the internet
Stamp/Miniature : Sheet/ FDC	: By Sankha Samanta, based on the paintings by participants
Cancellation Cachet	: Alka Sharma



भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India

बाल दिवस Children's Day



विवरणिका
BROCHURE

